दैनिक सामयिकी: १७.०६.२०२१

संयुक्त राष्ट्र की 'मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखे पर उच्च स्तरीय संवाद'

चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** ने संयुक्त राष्ट्र की 'मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखे पर उच्च स्तरीय संवाद' में अपना मुख्य संबोधन दिया।
- उन्होंने **मरुस्थलीकरण से निपटने में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD) के सभी पक्षों के 14वें सत्र के अध्यक्ष** के रूप में प्रारंभिक सत्र को संबोधित किया।

प्रमुख बिंदु

भूमि क्षरण के मुद्दे से निपटने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदम:

- भारत भूमि क्षरण तटस्थता (सतत विकास लक्ष्य लक्ष्य 15.3) की अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को प्राप्त करने की राह पर है।
- 2.5 से 3 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड के बराबर अतिरिक्त कार्बन सिंक प्राप्त करने के लिए 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर खराब भूमि को पूर्व अवस्था में ले जाने का लक्ष्य है।
- पिछले 10 वर्षों में, भारत में करीब 3 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र बढ़ाया गया, जिससे संयुक्त वन क्षेत्र बढ़कर देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग एक चौथाई हो गया है।
- प्रधानमंत्री ने गुजरात के कच्छ के रण में बन्नी क्षेत्र का उदाहरण देते हुए स्पष्ट किया कि कैसे भूमि की बहाली से मिट्टी के अच्छे स्वास्थ्य, भूमि की उत्पादकता में वृद्धि, खाद्य सुरक्षा और बेहतर आजीविका का एक अच्छा चक्र शुरू हो सकता है।
- भूमि क्षरण के मुद्दों के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए भारत में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जा रहा है।

भूमि क्षरण के बारे में:

- भूमि क्षरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें भूमि पर कार्य करने वाली मानव-प्रेरित प्रक्रियाओं के संयोजन से जैव-भौतिक पर्यावरण का मूल्य प्रभावित होता है।
- भूमि क्षरण कई ताकतों के कारण होता है, जिसमें चरम मौसम की स्थिति, विशेष रूप से सूखा शामिल है।

परिणाम

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

भूमि निम्नीकरण और उसके आसपास के पर्यावरण पर उसके प्रभाव को देखने के चार मुख्य तरीके हैं:

- भूमि की उत्पादक क्षमता में अस्थायी या स्थायी गिरावट
- मानव आजीविका के लिए संसाधन उपलब्ध कराने के लिए भूमि की क्षमता में कार्रवाई
- जैव विविधता का नुकसान
- पारिस्थितिक जोखिम को स्थानांतरित

भूमि क्षरण की जांच के लिए वैश्विक प्रयास:

- यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन (UNCCD)
- UNCCD के 14वें CoP द्वारा हस्ताक्षरित 2019 की दिल्ली घोषणापत्र में भूमि पर बेहतर पहुंच और प्रबंधन का आह्वान किया गया।
- बॉन चैलेंज
- ग्रेट ग्रीन वॉल इनिशिएटिव
- सूखे की पहल
- भूमि क्षरण तटस्थता कार्यक्रम

भूमि क्षरण को रोकने के लिए भारत के प्रयास:

- द नेशनल एक्शन प्रोग्राम फॉर कोम्बटिंग डेजर्टिफिकेशन इन 2001
- एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना)
- हरित भारत के लिए राष्ट्रीय मिशन
- राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना
- नदी घाटी परियोजना के जलग्रहण क्षेत्र में मृदा संरक्षण

कमान क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन कार्यक्रम

स्रोत: PIB

FAO (खाद्य एवं कृषि संगठन) सम्मेलन का 42वां सत्र

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने FAO सम्मेलन के 42वें सत्र को संबोधित किया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- भारत FAO का संस्थापक सदस्य है और इसकी स्थापना के बाद से भारत ने विभिन्न वैधानिक निकायों और समितियों के अध्यक्ष और सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

Food and Agriculture Organization of the United Nations

प्रमुख बिंदु

COVID 19 महामारी के दौरान खाद्य सुरक्षा के लिए भारत के प्रयास:

- भारत में कृषि क्षेत्र ने गंभीर COVID-19 महामारी के दौरान भी अच्छा प्रदर्शन किया और **305 मिलियन टन खाद्यान्न** का सर्वकालिक उच्च उत्पादन दर्ज किया साथ ही उनके निर्यात ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा में योगदान दिया।
- प्रशीतन सुविधाओं के साथ विशेष पार्सल ट्रेनों **"किसान रेल"** को भारतीय रेलवे द्वारा शुरू किया गया।
- भारत सरकार ने **"प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज"** का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत 81 करोड़ हितग्राहियों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।
- किसानों को आय सहायता प्रदान करने के लिए **"PM किसान" योजना** के तहत 10 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में **1,37,000 करोड़ रुपये** से अधिक भेजे गए हैं।

जलवायु परिवर्तन और कृषि योजनाएं:

- हरित भारत मिशन
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- कृषि वानिकी पर उप-मिशन
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड
- परम्परागत कृषि विकास योजना
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट
- भारत ने जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के लिए कृषि को लचीला बनाने के लिए तकनीकों के विकास, प्रदर्शन और प्रसार के लिए **राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन** के तहत विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ किया हैं।
- हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, नील क्रांति के साथ-साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली और किसानों के लिए मूल्य समर्थन प्रणाली।

खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के बारे में तथ्य:

- **स्थापना:** 16 अक्टूबर 1945
- **मुख्यालय:** रोम, इटली

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **मूल संगठन:** संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद
- **महानिदेशक:** क्व डोंग्यू

नोट:

- 16 अक्टूबर 2020 को **FAO के 75वीं वर्षगांठ** के अवसर पर भारत और FAO के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को मनाने के लिए, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक विशेष **75 रुपये का स्मारक सिक्का** जारी किया था।

स्रोत: PIB

8वीं ASEAN डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग-प्लस

चर्चा में क्यों?

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 16 जून, 2021 को **8वीं ASEAN डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग** (ADMM) प्लस को संबोधित करते हुए राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान के आधार पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक खुली और समावेशी व्यवस्था का आह्वान किया।
- ब्रुनेई 2021 में ADMM प्लस फोरम की अध्यक्षता कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

ASEAN डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग (ADMM) प्लस के बारे में:

- ADMM प्लस 10 ASEAN देशों और उसके आठ वार्ता सहयोगियों - ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों की वार्षिक बैठक है।

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (ASEAN) के बारे में तथ्य:

- **ASEAN के 10 सदस्य देश** इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया हैं।
  - **मुख्यालय**: जकार्ता, इंडोनेशिया
  - **स्थापना:** 8 अगस्त 1967

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

Image: ASEAN

बैठक के मुख्य बिंदु:

- भारत हिंद-प्रशांत के लिए साझा दृष्टिकोण के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म के रूप में ASEAN के नेतृत्व वाले तंत्र के उपयोग का समर्थन करता है।
- भारत ने **संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ द सी (UNCLOS)** के अनुसार अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में सभी के लिए नौवहन की स्वतंत्रता, समुद्री क्षेत्र में उड़ान और बेरोकटोक व्यापार की आजादी सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया।
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, स्थिरता, समृद्धि और विकास के लिए **संचार के समुद्री क्षेत्र** महत्वपूर्ण हैं।
- नवंबर 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित **'एक्ट ईस्ट पॉलिसी'** पर इस नीति के प्रमुख तत्वों का उद्देश्य आर्थिक सहयोग, सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना और द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय स्तरों पर निरंतर जुड़ाव के माध्यम से हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ रणनीतिक संबंध विकसित करना है।
- **वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)** के सदस्य के तौर पर भारत वित्तीय आतंकवाद से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।
- **मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR)** अभियानों के द्वारा भारत अपने करीबी तथा दूर स्थित पड़ोसी देशों में संकट के समय सबसे पहले सहायता देने वाले देशों में से एक है।
- **हेड्स ऑफ एशियन कोस्टगार्ड एजेंसीज़ मीटिंग (HACGAM)** के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत समुद्री खोज और बचाव के क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से क्षमता निर्माण को बढ़ाना चाहता है।

स्रोत: PIB

WGI 2021 ने भारत को दुनिया का 14वां सबसे धर्मार्थ (चैरिटेबल) देश घोषित किया

चर्चा में क्यों?

- **वर्ल्ड गिविंग इंडेक्स 2021 (WGI)** द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अब दुनिया के सबसे धर्मार्थ देश के रूप में 14 वें स्थान पर है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इंडेक्स में **इंडोनेशिया** इस सूची में **सबसे ऊपर** है और उसके बाद केन्या है।

प्रमुख बिंदु

- भारत को दुनिया भर में शीर्ष 20 सबसे उदार देशों में मान्यता दी गई है, जो इसके पहले के 10 साल के वैश्विक रैंक 82 से एक सुधार है।
- रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 61 प्रतिशत भारतीयों ने अजनबियों की मदद की, 34 प्रतिशत ने अच्छे काम के लिए स्वेच्छा से मदद की, जबकि 36 प्रतिशत ने पैसे दान किए।

नोट:· रिपोर्ट बताती है कि COVID-19 महामारी ने दुनिया भर में 'देने' के चलन को और बढ़ा दिया है।

वर्ल्ड गिविंग इंडेक्स (WGI) के बारे में:

- WGI एक वैश्विक सर्वेक्षण है जिसने 2009 से अब तक 1.6 मिलियन से अधिक लोगों का साक्षात्कार लिया है।
- यह तीन प्रश्न पूछकर सर्वेक्षण करता है: क्या उन्होंने हाल के महीनों में किसी अजनबी की मदद की है, पैसे दिए हैं, या किसी अच्छे कारण के लिए स्वेच्छा से काम किया है।
- यह चैरिटी एड फाउंडेशन (CAF) द्वारा प्रकाशित एक वार्षिक रिपोर्ट जारी करता है, जिसमें गैलप द्वारा एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया जाता है और दुनिया के देशों को वे कितने धर्मार्थ हैं, के अनुसार रैंक करते हैं।
- पहली रिपोर्ट 2010 में तैयार की गई थी और इस साल WGI की 10वीं वर्षगांठ है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

2021 NATO शिखर सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

- उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) का 2021 ब्रुसेल्स शिखर सम्मेलन 14 जून 2021 को बेल्जियम के ब्रुसेल्स में आयोजित, NATO के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों की 31 वीं औपचारिक बैठक थी।

नोट: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने अपने पहले व्यक्तिगत NATO शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

प्रमुख बिंदु

- NATO नेताओं ने 2021 ब्रसेल्स शिखर सम्मेलन में कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें NATO 2030 पहल के मुख्य विषय शामिल हैं: गठबंधन की एकता को कैसे मजबूत किया जाए, सुरक्षा के लिए अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाया जाए और नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की सुरक्षा में योगदान दिया जाए।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

नोट: NATO नेताओं ने **चीन को वैश्विक सुरक्षा चुनौती** घोषित किया।

NATO (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) के बारे में:

- NATO, जिसे उत्तरी अटलांटिक गठबंधन भी कहा जाता है, 30 यूरोपीय और उत्तरी अमेरिकी देशों के बीच एक अंतर-सरकारी सैन्य गठबंधन है। संगठन उत्तरी अटलांटिक संधि को लागू करता है जिस पर 4 अप्रैल 1949 को हस्ताक्षर किए गए थे।

स्रोत: द हिंदू

कन्नड़ अभिनेता संचारी विजय का निधन

- राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता संचारी विजय का निधन हो गया।
- विजय कुमार बसवराजैया को उनके मंच नाम संचारी विजय के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय अभिनेता थे जिन्हें कन्नड़ सिनेमा में उनके काम के लिए जाना जाता था।
- 62वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में विजय को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता - दक्षिण के लिए फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड भी मिला।

स्रोत: द हिंदू

17 जून, विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस

चर्चा में क्यों?

- विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस एक संयुक्त राष्ट्र पहल है जो हर साल 17 जून को मनाया जाता है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इसका उद्देश्य मरुस्थलीकरण और सूखे की उपस्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाना, मरुस्थलीकरण को रोकने और सूखे से उबरने के तरीकों पर प्रकाश डालना है।

प्रमुख बिंदु

- 2021 के लिए **विषय "रेस्टोरेशन. लैंड. रिकवरी. वी बिल्ड बैक बेटर विथ हेल्थी लैंड"** है।

इतिहास:

- इस दिन को संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव द्वारा 30 जनवरी, 1995 को घोषित किया गया था, उस दिन के बाद जब यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन (UNCCD) का ड्राफ्ट तैयार किया गया था।

नोट: भारत 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर खराब भूमि को बहाल करने की दिशा में काम कर रहा है और साथी विकासशील देशों को भूमि-पुनर्स्थापन रणनीति विकसित करने में सहायता कर रहा है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

gradeup

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now